□□□□ □□□□□

□□□ □त्रा□□□

(□□□□, **योग व प्राकृतिक चिकित्सा**, □□□□□, **सिद्ध एवं होम्यो**□□)

□□□ □□□

□□□f□□ **प्रश्न** □□- 03*

21 □□, 2019 **को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर**

□□□ □□ □□□ □□ □□□प्रि□ □□□□□

*3. **श्री** □□□□□□ □□□□□:

क□□ □□□□, □□□ □□ **प्राकृतिक** f□f□त□□, □□□□□, f□द्ध □□ □□म□□□□□ (□□□□) □त्री □□ □□□□□□ □□□ □□□f□:

(□) क□□ □□□□□ अंतराष्ट्रीय स□□ □□ □□□ f□f□त□□ □द्धा□ □□ □□□प्रि□ □□□□□□f□□ f□□□ □□□क्र□ □□ कायान्वित □□ □□□ □;

(□) □f□ □□□□ □त□□□□ ब□□□□ क□□ □;

(□) □□□□□ □□□□□ □□ □ध□□ते□□ कायकलापां □□f□□ □□□ □□ f□□□ □□□□□ □□□□f□□ प्र□त□f□□ □□□□□□□□□ □□□□□ □□□□ □; □□

(□) □□□□□ द□□□□ □□□ □□□□□□□□ □□□-□□□ □□□□क्ष□, □□□□ □□□ प्र□स□□□ □□f□□ □□ प्रौद्योगिकी □□ □□□□□ देने के लिए क्या कारवाई की जा रही है?

<u>□त□□</u>

□□□ □□ज□ □त्री (स□तंत्र प्रभार) श्री श्रीपाद येसो नाईक

(□) □□(□): f□□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□ □□□ □□

□□□ □□□ □ 21 □□, 2019 **को पूछे गए तारांकित प्रश्न संख्या** 03 **के उत्तर म उल्लिखित ि□□□□**

(□) □□ (□): अंतराष्ट्रीय सहयोग के संवधन का कद्रीय क्षेत्रक स्का□ □□□□□ □□□ □त्रा□□ पूरे विश्व □ आयुष चिकित्सा पद्धतियां को बढ़ावा देने/उन्ह लोकप्रिय बनाने के लिए अंतराष्ट्रीय प्रदर्शनियां/□म्□□□ां/ कायशालाओं/व्यापार मेलां आदि के आयोजन और उनम भागीदारी जैसे विभिन्न □□□□ □□□□ □□ □□□ □□□ विनिमाताओं/उद्यमियां/आयुष संस्थानां आदि को (i) □□□ ि□ि□त□ पद्धतियां के बारे म भाग लेने वाले लोगां के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए अंतराष्ट्री□ प्रदर्शनियां/सम्मेलनां/कायशालाओं/संगोष्ठियां/रोड शो/व्या□□ □□ां □त□ादि म भागीदारी करने और; (ii) ि□□□□ विनियामक प्रा□□□□□ां □ □□□ □त□दां के पंजीकरण के लिए प्रो□त□□□□ ि□□□ □□□□ □□

अभी तक आयुष मंत्रालय ने पारंपरिक चिकित्सा □□ □म्□□□□ के क्षेत्र म 18 □□-□□-□□ □□□□□□ ज्ञापनां पर हस्ताक्षर किए ह। विदेशी विश्वविद्यालयां के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान/शैक्षणिक सहयोग के लिए 19 समझौता ज्ञापनां और आयुष शैक्षणिक पीठां का स्था□□□ □□ि□□ 13 □□□□□□ ज्ञ□□□ां □□ □स□क्ष□ ि□□ □□ □□ □□□ □त्रा□□ □□□□ □ध□□□□□ति□ स□ा□ □□□□□ □□□□ □ स□□□□□□, स□□□□त□□ □□ □□□□.□□ □ठ्□क्र□ां के लिए 98 देशां □□पात्र विदेशी नागरिकां को 104 छात्रवृत्ति□□प्रदान करता है। आयुष चिकित्सा पद्धतियां के बारे म प्रामाणिक सूचना का प्रचार-प्रसार करने के लिए 28 □□ां □ 31 आयुष सूचना प्रकोष्ठ स□ापित किए गए ह।

आयुष मंत्रालय का अंतराष्ट्रीय सहयोग का स्का□ □□□□□ प्रारंभिक रूप से स□□□□□ □□ि□□ □□□□□□ मिशन को प्रति प्रकोष्ठ 15.00 □ख रुपये एकमुश्त □□वर्ती अनुदान प्रदान किया जाता है और इसके रखरखाव □□□ □□□ □□□□त□क क्रियाकलापां के लिए प्रति वष प्रति प्रकोष्ठ 5.00 □□□ रु□□□□ा □□□ा □ा□ प्र□□□ □ा □□□□ □□ भारतीय मिशन/सीआईआई/फिक्की/आईटीपीओ/एसोचैम/फार्मेक्सिल आदि के माध्य□ □□□□□ मंत्रालय द्वारा भारत और विदेशां म अंतराष्ट्री□ प्रदर्शनियां/सम्मेलनां/कायशालाओं/संगोष्ठियां/रोड शो/व्या□□ □□ां आदि के आयोजन/उनम भागीदारी के लिए 100.00 लाख रुपये तक की वित्ती□ □□□□□□ □□ प्र□□□□□ □□□ज□ सरकारां/विश्वविद्यालयां/प्र□□ □स□□नां अथवा संगठनां आदि द्वारा □□□□ □ आयुष चिकित्सा □द्ध□□ां □□ अंतराष्ट्री□ □म्□लनां/कायशालाओं/संगोष्ठियां आदि के आयोजन के लिए 15.00 □□□ रु□□□□□□ □ा ि□त□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□

आईसीसीआर द्वारा दी गई सूचना के अनुसार भारतीय योग को बढ़ावा देने के लिए विदेशां म भारतीय मिशनां और □□स□ां के सहयोग से अंतराष्ट्री□ □□□ ि□□□ (□□□□□□□) □□□□□ □□□□ □□ □□□□□□□□ □□ा□□□ां □ □□□□□□ ि□□□□ां/□□स□ां □□ □□स□ांतिक कद्रां म 86 □□□□□□ □□□ प्रा□क्ष□ां □□ ि□□क□ ि□□□ □□

(□): 21 जून को अंतराष्ट्रीय योग दिवस के रूप म अपनाने के परिणामस्वरूप आयुष मंत्रालय □□□□□ □□ 4 वर्षां से अंतराष्ट्री□ □□□ □म्□लनां का आयोजन कर रहा है जिनम विश्व भर से योग विशेषज्ञों और □त□ाहियां को भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

□□□□जी देसाई राष्ट्री□ □□□ □स□□□ (□□□□□□□□□□□□) □□ आयुवद स्ना□□□त□□ ि□क्ष□ □□□□□□□□□ □स□□□ (□□□□□□□ा□□□□) □□ □□□□ा□क चिकित्सा □ □ब्ल□□□□ □□□□□□त□क कद्रों के रूप म पुन: नामित किया गया है। आयुष मंत्रालय ने प्रथम अंतराष्ट्री□ □□□ □म्□□□□ □□□□□□ 22 □□, 2015 □□ □□□□□□ □□□□त□□ □ा□□□ (क्□□□□□) द्□□□□ ि□□ि□□ "□□□ व्□□वसायिकां के स्वै□च्□□ प्र□□□□" □ा स□ा□ □□□ □ा □□□ □□ स□ा□ □□ □द्देश□ प्रमाणन प्रक्रिया के जरिए योग व्यावसायिकां के दक्षता स्तर को प्रमाणित करना है।

पयटन मंत्रालय द्वारा दा गई सूचना के अनुसार योग व आयुवद सहित चिकित्सा □□ □ल□□ □□□□ □□ □□□ □□□□ □□रू□ □ □न्□ता दा गई है ताकि 365 दिनां के गंतव्य स□□न के रूप म भारत को बढ़ावा दिया जाए और विशेष रुचि रखने वाले पयटकां को आकषित किया जा □□□ □□□□, योग व प्राकृतिक चिकित्सा, □□□□, सिद्ध एवं होम्योपैथी (आयुष) चिकित्सा पद्धतियां सहित चिकित्सा □□ □ल□□ □□□□ □□ संवधन को आगे ले जाने के लिए एक समि□□ □स□□□□ □□□ प्र□□ □□□□□□□“राष्ट्री□ चिकित्सा □□ □ल□□ □□□□ □□□” □ा स□□□□ □ा □□ □□ पयटन मंत्रालय प्रत्यायित चिकित्सा □□ □ल□ण पयटन सेवा प्रदाताओं □□ □ि□ज□ □□□ आदि को प्रचार-प्रसार और कल्याण एवं चिकित्सा पयटन संवधन कायक्रमां/कायशालाओं/आयोजनां/संगोष्ठियां के आयोजन के लिए वित्ती□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□

चि□ि□त्□ के लिए आए पयटकां का यात्रा प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए चिकित्सा और चिकित्सा □ि□□□□ वीजा लागू किया गया है और चिकित्सा दौरा शामिल करने के लिए ई-□ि□स□ □□□ व□□स□ □□ वि□स□र किया गया है। पयटन मंत्रालय समग्र रूप से विदेशी पयटकां का संख्या को बढ़ाने के लिए चिकित्सा □□ □ल□ण पयटन को बढ़ावा देता है जिसम अन्य □□ां □□□□-□□□ □□ल□ भारत के अंतगत अंतराष्ट्री□ □□□ां □ □ि□□□□ □□□□□; □□□-□□, ‘□□□□ □□ □□□’ □□□ष□□ां □□ □□□□□; अंतराष्ट्रीय पयटन मेलां और प्रदर्शनियां □ □□□□□□ा □□ स□स्थ्य एवं चिकित्सा पयटन पर ध्यान कद्रित करने वाले आयोजनां/संगोष्ठियां/सम्मे□□ां □□ □□□□□ □□□ □ि□□ □□

(□): राष्ट्रीय औषधीय पादप बोड (एनएमपीबी) तथा जैव प्रौद्योगिका विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिका मंत्रालय ने आयुष क्षेत्र म जैव प्रौद्योगिकाय हस्तक्षेप करने के लिए सहयोग, अभिसरण एवं सहक्रिया का संभावना का □□□ □□□□□□□ □□ां □□□□ां □□□□ □□□□ □□ □□□□-प्र□□□ □□□□□ □□□□□□□ि□□ □□स□□ □□□□□थ □□□□□ ज्ञ□□ (□□□□)□ि□□ □□ □□□□ □□□ां □□□□□□ व संवधन के लिए किए जाने वाले कायकलापां म □□□, □प□प्र□ □□□ □□□ग्रस□ (□□□ा) □□□□ □□त□ का प्रजातियां के संरक्षण, □□□□, □ि□□□ □□□ □ि□ वधन हेतु डीबीटा द्वारा यथा विकसित पारिस्थितिकाय आला मॉडलिंग का उपयोग शामिल है।

□□□□□□□ □ा “□□□□ पादपां के संरक्षण, वि□□□ □□ □□□ प्र□□□” का कद्रीय क्षेत्रक स्का□ □□□□□ औषधीय पादप संरक्षण और विकास क्षेत्र (एमपीसीडीए) का स्थापना के जरिए वनां म औषधीय पादपां के संरक्षण □□□□ि□□□□□ □□ि□□ □□□यता प्रदान का जाती है। उपयुक्त कद्रीय क्षेत्रक स्का□ □□□□□□ □□□□, □□□□ □क□ □□□□, □□□□ □□□□ग्र□ □□□□, □□□□, प्र□स□□□ □□□□, □□ □□□□, □ि□ि□□ □□ □□□□□ □□□□, □□; वि□□□□□, □□□□ □त□ि□ □□ □ि□□ □□□□ल□ संवधन हेतु उपकरणां सहित सुविधाओं के सृजन के लिए □□□□□□□/□□□□□ां/□□ □□□□□ां/ब□□क प्रबंधन समितियां/स्वयं सेवी समूहां को भी सहायता प्रदान का जाती है। इसके अतिरिक्त, आयुष मंत्रालय का एनएएम स्काम के तहत औषधीय पादपां के लिए प्रसंस्क□□ □□□□ां □ा स□□□□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□□□ प्र□□□□ □□

□□□□□□□ □□क्षेत्रीय रिमोट ससिंग कद्र पश्चिम, □□□□□ □□ि□क्ष □□□□□ □□□□, □□□□ □□ सहयोग से सभी पणधारियां और क्रियान्वयन एजसियां को □□ि□□ □स□ि□ □□□□□□ □□ □□ □□ □□□□ वि□ “□□□ □-हब्स” □□□□ एप्लो□□□ विकसित का है। इस समय 237 परियोजनाएं “□□□ □-हब्स” □□ भौगोलिक स्थिति के अनुसार लाई □□ □□

*****